जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया की आर्किटेक्चर एंड एकॉस्टिक फैकल्टी ने ईसीओ-निवास संहिता पर वेबिनार आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड एकॉस्टिक, ने 09 मई 2020 को भारत सरकार के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से ईसीओ-निवास संहिता (ईएनएस) 2018 पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। ईसीओ-निवास संहिता विशेष रूप से रिहायशी इमारतों के लिए एक नवीनतम ऊर्जा संरक्षण कोड है और इसे आवासीय परियोजनाओं पर लागू किया जाएगा।

विशेषज्ञों और इसमें हिस्सा लेने वालों का स्वागत करते हुए फैकल्टी की डीन प्रो हिना ज़िया ने हमारी इमारतों को और ज़्यादा ऊर्जा कुशल बनाने के लिए नवीनतम तकनीक और दिशानिर्देशों को अपनाने की ज़रूरत बताई। उन्होंने कहा कि उपयुक्त वास्तु उपाय न सिर्फ एक इमारत में, बल्कि शहर भर में सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा बचत में मदद कर सकते हैं।

सुश्री आकांक्षा कृष्णन, सलाहकार बीईई ने ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया और जीआईजेड के भवन प्रमुख श्री विकास रंजन ने आवासीय भवनों पर ऊर्जा दक्षता कोड को लागू करने की आवश्यकता के विभिन्न आयामों को समझाया। वास्तुकार और ग्रीन बिलिं्डग सलाहकार श्री अबू तल्हा फारूकी ने ईसीओ-निवास संहिता प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी और ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न पहलुओं और सिद्धांतों के बारे में विस्तार से बताया।

वेबिनार में फैकल्टी के तकरीबन 200 छात्रों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इसके आखिर में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ।

आख़िर में, जामिया के आर्किटेक्चर एंड एकॉस्टिक फैकल्टी के डॉ क़मर इरशाद ने इस अत्यधिक प्रासंगिक वेबिनार के आयोजन में हिस्सा लेने वाले विशेषज्ञों और पैनलिस्टों का धन्यवाद किया। लॉकडाउन के दौरान आर्किटेक्चर और एकॉस्टिक फैकल्टी अपने छात्रों को लगातार ऑनलाइन शिक्षा मुहैया करा रही है और इस वेबिनार के ज़रिए छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी ज्ञान उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक